दयानंद सागर कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय

वेदान्ता

दयानंद सागर कला,विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय

दयानंद सागर कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स (डी.एस.सी.एए.ससी), जो दयानंद सागर संस्थानों के तहत चलता है, बेंगलुरु के सबसे पुराने डिग्री कॉलेजों में से एक है और बेंगलुरु विश्वविद्यालय से संबद्ध है। इसमें कई उत्कृष्ट व्यक्तियों को तैयार करने की विरासत है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में समाज के लिए योगदान दिया। कॉलेज की विचारधारा छात्रों को सामाजिक रूप से प्रगतिशील और जिम्मेदार व्यक्तियों में बदलने के लिए उनके महत्वपूर्ण सोच कौशल और इंद्रियों को विकसित करने पर जोर देती है। समग्र विकासात्मक दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में, छात्रों को विकास के लिए डिज़ाइन की गई सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और शैक्षणिक रणनीति के माध्यम से अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए निर्देशित किया जाता है। इस संबंध में, छात्रों को एक चुनौतीपूर्ण शैक्षणिक माहौल, अच्छी तरह से सुसज्जित व्याख्यान कक्ष और प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, कंप्यूटर सुविधाएं और हमारी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण टीम प्रदान की जाती है। इसलिए, हम अपने छात्रों को संभावनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की खोज करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, विचार और बातचीत के लिए एक वातावरण प्रदान करते हैं।

डी.एस.सी.एए.ससी में छात्र हमारे सहयोगात्मक, बहु-विषयक और समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से अपने कौशल को उन्नत करने और विचारक और छात्र के रूप में जिज्ञासु और उत्सुक बने रहने के लिए सुसज्जित हैं। "सपने को जियो" के प्रकाश का पालन करते हुए, हम अपने संस्थापक, स्वर्गीय श्री दयानंद सागर के दूरदर्शी दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं

हिन्दी परिषद – वेदान्ता

हिंदी भारत की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, और भारत गणराज्य की प्राथमिक आधिकारिक भाषा है। देशी वक्ताओं की संख्या के अनुसार, हिंदी दुनिया में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। यह अनुमान लगाना कठिन है कि कितने भारतीय अपनी मूल या द्वितीयक भाषा के रूप में हिंदी बोलते हैं ।

साहित्यिक अभिव्यक्ति के सभी रूपों का विश्लेषण, व्याख्या और मूल्यांकन करने के लिए तथा भाषा के प्रति छात्रों की निष्ठा एवम क्षमता को मजबूत करना ही हमारे विभाग का लक्षय है|

वेदान्ता

दयानंद सागर कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय

श्री गालीस्वामी
सचिव

दयानंद सागर कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स सबसे अनोखा है, जो शिक्षण-सीखने, ऊष्मायन और रोजगार प्रक्रियाओं से परे है! शिक्षा की गुणवत्ता के अलावा, कॉलेज द्वारा छात्र की शैक्षणिक उन्नति और समग्र विकास को प्रोत्साहित किया जाता है। छात्रों को सर्वश्रेष्ठ देने, उन्हें तेजी से हो रहे बदलावों और विकास से निपटने में मदद करने और परिणामस्वरूप, नए भविष्य के जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में हमारा ईमानदार दृढ़ विश्वास है। डीएससीएएससी भविष्य के नेताओं को आकार देने में बौद्धिक अन्वेषण और अकादमिक बातचीत के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने की भी इच्छा रखता है।

डॉ. नागराज शेनॉय, जिनके पास 25 वर्ष से अधिक का अनुभव है, गर्व से दयानंद सागर कालेज ऑफ आर्ट, साइंस, और कॉमर्स के प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने व्यावसायिक प्रबंधन और व्यवसाय प्रबंधन में डॉक्टरेट किया है, जो उनके कोर्पोरेट जगत के गहरे समझ की प्रकटीकरण करता है। उनकी नेतृत्व कौशल से सजीव और ज्ञानवर्धन भरे शैक्षिक परियोजनाओं का संचालन करते हुए, वे दयानंद सागर कालेज को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं।

डॉ. नागराज शेनॉय
प्रधानाचार्य
बी.बि.ए / बी.कॉम विभाग

श्री हेमन्त उप्पला
उप प्रधानाचार्य
बी सी ए विभागध

हेमंत उप्पला शिक्षा जगत में एक प्रमुख व्यक्ति हैं, जो वर्तमान में दयानंद सागर कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस और कॉमर्स में वाइस प्रिंसिपल के साथ-साथ बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) विभाग के प्रमुख की दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। विज्ञान में मास्टर डिग्री (एमएससी) और प्रभावशाली 20 वर्षों के अनुभव के साथ, श्री उप्पला अपने नेतृत्व पदों के लिए ज्ञान और समर्पण का खजाना लेकर आते हैं। वाइस प्रिंसिपल के रूप में, वह संस्थान की समग्र दिशा का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जबकि बीसीए विभाग के प्रमुख के रूप में उनकी जिम्मेदारियां कंप्यूटर अनुप्रयोगों के क्षेत्र में छात्रों की शैक्षणिक यात्रा को आकार देने की उनकी प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं। पूछताछ या चर्चा के लिए, हेमंत उप्पला से [संपर्क जानकारी प्रदान करें] पर संपर्क किया जा सकता है, जो दयानंद सागर कॉलेज में शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

दयानंद सागर कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय

श्री मुरुगेशा बी एन, एक सहायक प्रोफेसर और बी.कॉम के विभागाध्यक्ष हैं, जिनकी शैक्षणिक यात्रा बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) और कर्नाटक राज्य पात्रता परीक्षा (के-सेट) में मास्टर की योग्यता से चिह्नित है। मानव संसाधन प्रबंधन (एचआरएम) और विपणन में विशेषज्ञता, श्री मुरुगेशा बी एन जी ने यूजीसी प्रमाणित पत्रिकाओं में प्रकाशित अपने काम के साथ, विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुत करके विद्वतापूर्ण गतिविधियों के प्रति अपने समर्पण का प्रदर्शन किया है। उनकी प्रशासनिक विशेषज्ञता विभिन्न स्तरों पर एक अकादमिक समन्वयक के रूप में सेवा करने तक फैली हुई है, और वह वर्तमान में वाणिज्य विभाग अध्यक्ष का पद संभाल रहे हैं। उत्कृष्टता के प्रति श्री मुरुगेशा बी एन जी की प्रतिबद्धता और सहयोगात्मक नेतृत्व शैली अकादमिक समुदाय में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

श्री मुरुगेशा बी.एन
अध्यक्ष
बी.कॉम विभाग

डॉ. सुपलब पोद्दर एक प्रशिक्षित प्रबंधन विशेषज्ञ और बैंगलोर के दयानंद सागर कला, विज्ञान और वाणिज्य कॉलेज के सहायक प्रोफेसर हैं। उन्होंने व्यापक शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए व्यापक पहचान बनाई है। मैनेजमेंट टीचर्स कंसोर्टियम-ग्लोबल (एमटीसी ग्लोबल) के आजीवन सदस्य रहते हैं, और उनकी शिक्षा में बैंगलोर विश्वविद्यालय और भारतीय विश्वविद्यालय से प्राप्त डिग्रियों ने उन्हें समृद्ध किया है। मानव संसाधन प्रबंधन, आउटसोर्सिंग, बैंकिंग, प्रबंधकीय अर्थशास्त्र, विपणन प्रबंधन, और रणनीतिक प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में उनकी रुचि है। उन्होंने विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कुछ पुस्तकें प्रकाशित की हैं और अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सेमिनारों में भी सक्रिय भाग लिया है, जिससे उनका योगदान प्रबंधन और वाणिज्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है।

डॉ सुपलब पोदार
अध्यक्ष
बी.बि.ए विभाग

वेदान्ता

दयानंद सागर कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय

नाम : डॉ. चिलुका पूष्पलता

ओड़ा : पी.एच.डी, एम.फिल, एम.ए (स्वर्ण पदक) 5 वीं रैंक, अनुवाद में डिप्लोमा, एम.बी.ए ।

डॉ. चिलुका पुष्पलता एक प्रतिष्ठित व्यक्ति है जिनका बहुपेशावर्ती अनुभव शिक्षा, अनुवाद, और सांस्कृतिक नेतृत्व के क्षेत्र में है। वर्तमान में सहायक प्रोफेसर और हिंदी परिषद वेदांत के प्रमुख के रूप में, उनके पास शिक्षा क्षेत्र में बहुमुखी ज्ञान और अनुभव है। डॉ. पुष्पलता नियमित अनुवादक हैं जो न्यायिक मामलों, विधान सभा, और साहित्य में विशेषज्ञता रखती हैं, साथ ही सारे डयानंड सागर कॉलेज ऑफ़ आर्ट, साइंस, और कॉमर्स के खेल के प्रमुख के रूप में भी महत्वपूर्ण पद पर हैं।

एक अद्वितीय शिक्षा योग्यता के साथ, डॉ. पुष्पलता ने अपने एम.ए. को स्वर्ण पदक सहित पूरा किया, एम.फिल और अनुवाद में डिप्लोमा प्राप्त किया। उनकी शैक्षिक पहचान एक महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित डॉ. पीएच.डी और एमबीए की दिशा में भी बढ़ती है, जिससे उनके पेशेवर सफर को संपूर्णता की दृष्टि से देखा जा सकता है।

एक आश्चर्यजनक 18 साल के अनुभव के साथ, डॉ. पुष्पलता ने परीक्षा समन्वयक और सांस्कृतिक समिति के प्रमुख के रूप में भी कुंजी भूमिकाएं निभाई हैं। उनके शिक्षात्मक और प्रशासनिक भूमिकाओं के पारे, उन्होंने एक राष्ट्रीय स्तर पर एकला, चित्रकला गोल्ड मेडलिस्ट और लोक नृत्यकार के रूप में भी उत्कृष्टता प्राप्त की है। डॉ. चिलुका पुष्पलता समर्थन और प्रेरणा को बढ़ावा देने के लिए अपने पेशेवर क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं में योगदान करने का एक सच्चा प्रतीक हैं।

लक्ष्य:

(Mission):

“महाविद्यालया में हिंदी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देना और मनाना है, और छात्रों को हिंदी संस्कृति के महत्व को जानने और जानने के लिए प्रोत्साहित करना है। हमारा उद्देश्य समृद्ध संस्कृति विरासत के बारे में जागरूकता पैदा करना है, छात्रों के बीच उनकी संस्कृति और भाषा के बारे में गर्व के दृश्य को बढ़ावा देना है ।“

दूरदर्शिता:

(Vision):

“महाविद्यालया की संस्कृति के एक अभिन्न अंग के रूप में स्थापित करना है, और एक ऐसा वातावरण बनाना है जो हिंदी भाषा सीखने और उपयोग करने के लिए अनुकूल हो। हमारा उद्देश्य छात्रों का एक समुदाय विकसित करना है जो अपनी भाषा और संस्कृति पर गर्व करते हैं, और जो अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।“

पत्रिका समिति

संपादक - मंडल

<u>विभाग अधीयक्ष – डॉ चिलुका पुष्पलता</u>

<u>शमॉइएल जुज़ेर न</u>
<u>अमन कुमार सिंह</u>
<u>अंकित वेरागी</u>
<u>सिद्धार्थ जैन</u>

वेदान्ता

अनुक्रमणिका

क्रम. अंक	विषय – सूची
1	वेदांता का उद्धटन
2	हिंदी दिवस
3	लाइव रिपोर्टिंग
4	फंटाक्षरी
5	चुनें और बोलें
6	मेहंदी प्रतियोगिता
7	संगीत कार्यक्रम
8	ब्लॉग
9	लोक नृत्य
10	अतिथि शिक्षक

वेदान्ता

अनुक्रमणिका

क्रम. अंक	**विषय – सूची**
11	नींबू और चम्मच का खेल
12	कविता
13	मूवी
14	नाटक
15	रचनात्मक क्षेत्र
16	खेल और मस्ती

वेदान्ता

"वेदांता" का उद्घाटन

सम्मानित अतिथि - डॉ. नागराज शेनॉय - प्राचार्य

मुख्य अतिथि – डॉ. हेमंथ - उप प्राचार्य

विशेष अतिथि- डॉ. सुपलब कांति पोद्दार और प्रो. मुरुगेशा बी.एन

यह कार्यक्रम हिंदी छात्रों के लिए उनकी प्रतिभा और क्षमता के आधार पर सम्मान प्रदर्शन के लिए आयोजित किया गया था, जिसे विभाग अध्यक्ष और संकाय सदस्यों द्वारा मान्यता दी गई थी।

कार्यक्रम मुख्य कार्यालय के पास ग्राउंड फ्लोर पर आयोजित किया गया था, कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 1:15 बजे उद्घाटन गीत और दीप प्रज्वलन के साथ की गई, उसके बाद हमारे हिंदी छात्र ने गणमान्य व्यक्तियों से अपने पदों के अनुसार बैच लेने के लिए छात्रों को संबोधित करना शुरू किया मंच पर, बाद में प्रधानाचार्य, उप– प्रधानाचार्य और हमारे विभाग अध्यक्ष ने छात्रों को उनकी जिम्मेदारीयों और कर्तव्यों के बारे में संबोधित किया।

छात्रों को द्वितीय वर्ष और प्रथम वर्ष बी.बी.ए और बी.कॉम (लड़के और लड़कियों) से चुना गया था, इन छात्रों को उनकी रुचि, कड़ी मेहनत और अतिरिक्त सहयोग का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करने के प्रयासों के लिए पहचाना गया था। बेहतर प्रदर्शन के लिए पाठ्यचर्या और अधिक नवीन विचारों को सामने लाना और न केवल आनंद लेना, बल्कि भाषा के महत्व के बारे में और अधिक सीखना भी।

हिन्दी विभाग ने विभिन्न समितियों में विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार अनेक

विद्यार्थियों का चयन किया था जो इस प्रकार है–

1. अध्यक्ष (केवल द्वितीय वर्ष के छात्र)

2. उपाध्यक्ष (केवल प्रथम वर्ष का छात्र)

3. सचिव–1

4.कोषाध्यक्ष – 2

5. सांस्कृतिक समन्वयक–2

6. मंच समिति

7. मीडिया

8. तकनीकी समिति

9. पत्रिका समिति.

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

वेदान्ता

"हिन्दी परिषद वेदांता के पद अधिकारी विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य, विभागों के प्रमुख के द्वारा समनित।"

वेदान्ता

हिन्दी दिवस

हिंदी दिवस हर साल 14 सितम्बर को मनाया जाता है। हमने अपने कॉलेज के सी.डी सागर में हिंदी दिवस मनाया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मुहेश थे जो डी.आर.डी.ओ में वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी हैं। हमारे एचओडी और हमारे सिद्धांत द्वारा उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन हुआ उसके बाद कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। हमने अपनी हिन्दीभाषा एवम संस्कृति, आचार–विचार, विज्ञान एवं तकनीकी में प्रयुक्त तथा अन्य संस्कृति को समझने में सहायक के बारे में जाना। हमारी हिंदी फैकल्टी डॉ चिलुका पूष्पलत्ता जी ने हिंदी भाषा और उसके महत्व के बारे में अपने भाषण द्वारा हमें समझाया और प्रेरित किया। हमारे अंग्रेजी संकाय श्री मुकेश सोनी ने छात्रों को उनके भविष्य के लिए प्रेरित करने पर भाषण दिया और हमारे जीवन में भाषा के महत्व के बारे में बताया।

हमारे कॉलेज के छात्रों ने हमारे प्रधानाचार्य, विभागाध्क्ष और कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि का संक्षिप्त परिचय भाषण दिया था।

सभी छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच दिया गया था और प्रदर्शन के अनुसार उन्हें पुरस्कृत किया गया। नृत्य एवम गायन कार्यक्रम था जो सभी दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए किया गया था। विभिन्न पद–दायित्व विधार्थी हिन्दी परिषद समूह के पद अधिकारीयों को पद का वितरण समारोह भी आयोजित किया गया। वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों के लिए पुरस्कार समारोह रहा, जैसे कि फंटाक्षरी, हिंदी नाटक, निबंध प्रतियोगिता, कविता लेखन, अकादमिक टॉपर्स, साक्षात्कार प्रतियोगिता आदि…..

वह दिन एक यादगार और आनंदमय दिन था जिसने इस कार्यक्रम को वर्ष का सबसे शानदार कार्यक्रम बना दिया।

वेदान्ता

लाइव रिपोर्टिंग

हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 09/12/2022 सें 12/12/2022 को "लाइव रिपोर्टिंग प्रतियोगिता" में कड़ी मेहनत के साथ लाइव रिपोर्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के हिंदी छात्र थे।

यह कार्यक्रम डी.एस.आई परिसर में आयोजित किया गया था, डॉ. चिलुका पुष्पलता जी ने छात्रों को नियम और विनियम प्रदान करके संबोधित किया, जिसमें समय सीमा भी शामिल थी, बाद में छात्र अपने साक्षात्कार के समय की जानकारी देते हुवे अपने साक्षात्कार नियुक्तियों की ओर दौड़ पड़े, उन्हों ने साक्षात्कार लिया और जमा किया। विभाग को सॉफ्टकॉपी प्रदान किया ।

कार्यक्रम के जज बी.बी.ए/बी.कॉम – डी एस यू विभाग से डॉ. तृप्तिशंकर और प्रोफेसर रूही खान है।

निर्णय मानदंड: तकनीकी कार्यान्वयन, ड्रेसिंगसेंस, प्रश्नों की तैयारी और प्रस्तुति

फाइनल राउंड 15 दिसंबर को दोपहर 2 बजे कमरा नंबर 212 में था बी. बी.ए और बी.कॉम प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों ने कुल 20 टीमों ने भाग लिया था और प्रत्येक टीम में 2 सदस्य शामिल थे। टीम को अपना साक्षात्कार पूरा करने के लिए 15-20 मिनट की समय सीमा प्रदान की गई थी।

कार्यक्रम का समन्वय सहायक प्रो. सर डॉ. चिलुका पुष्पलता ने किया

BREAKING NEWS
LIVE

वेदान्ता

“छात्रों ने लाइव रिपोर्टिंग में सक्रिय रूप से भाग लिया और पुरस्कार प्राप्त किये।”

वेदान्ता

फंटाक्षरी

हिंदी विभाग ने 05,06,08 और 12/12/2022 को "फनथाक्षरी" प्रतियोगिता आयोजित किया गया ।

प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के हिंदी छात्र।जहां सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम पहली मंजिल पर कमरा नंबर 204 में आयोजित किया गया था, कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 2:00 बजे बी.बी.ए द्वितीय वर्ष की छात्रा बूमिका नेकी, उस के बाद डॉ. चिलुका पुष्पलता ने छात्रों को नियम और विनियम प्रदान कर के संबोधित किया, जिसमें ये भी शामिल हैं। समय सीमा,बाद में छात्र समन्वयक ने छात्रों को संबोधित किया और उनका स्वागत किया।

फनथाक्षरी प्रतियोगिता में छात्रों की लगभग 20 टीमें थीं, प्रत्येक टीम में 2 छात्र शामिल थे। बी.बी.ए और बी.कॉम प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष से।

4 राउंड आयोजित किये गये:

1st – फिल्म उद्योग के इतिहास पर लिखित परीक्षा

2nd –छवि पहचानें और गाये (30 सेकंड)

3rd – गीत के बोल पहचानने और गाना (30 सेकंड)

4th –गीत और शब्द पहचानें और गाये (30 सेकंड)

Shot on OnePlus

Shot on OnePlus

वेदान्ता

चुनें और बोलें

हिंदी परिषद - वेदांत द्वारा प्रथम और द्वितीय वर्ष के द्वारा आयोजित । एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए, 'पिक एंड स्पीक' 22 दिसंबर 2022 को हुआ, दो से अधिक कमरे छात्रों से भरे हुए थे जो अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार थे। यह कार्यक्रम एक घंटे से अधिक का था दोपहर 2.00 बजे शुरू हुआ|

चुनें और बोलें उन लोगों के लिए स्पॉटलाइट है **जो स्वेच्छा से माइक पकड़ते हैं और विषय पर बोलते है और उत्सुक भीड़ की ओर देखते । मंच** सज चुका था और वक्ताओं के भाषण देने का समय आ गया था चुने गए विषय पर उनके दृष्टिकोण दर्शकों को प्रभावित करते हैं। एक-एक करके, प्रत्येक के पास अपने-अपने पॉइंट्स के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और वास्तव में कुछ ने दर्शकों का दिल चुरा लिया भारी तालियों से पुरस्कृत किया गया। महिलाओं के अधिकार से लेकर शाकाहार तक सभी विषय को चुन कर किया गया और वक्ताओं ने न्यायाधीशों और छात्रों के सामने अपने विचार व्यक्त किये । इस कार्यक्रम ने छात्रों को खुलकर अपनी क्षमताओं और ज्ञान का प्रदर्शन करने का मौका दिया । इससे उन्हें अपने दृष्टिकोण को व्यापक दायरे में विस्तारित करने और अपनी खोज करने में भी मदद मिली छिपा हुआ स्वयं और अज्ञात तथ्यों को प्रकट कर सके ।

बी.बी .ए और बी.कॉम के विभिन्न वर्गों के स्वयं सेवकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और इसे सफल बनाने में मदद की। कुल 145 छात्र थें ।

वाद-विवाद एवं कविता प्रतियोगिता

कार्यक्रम कमरा नंबर 212 में आयोजित किया गया था, कार्यक्रम की शुरुआत भक्ति गीत के साथ दोपहर 12:30 बजे हुई, उसके बाद डॉ चिलुका पूष्पलत्ता ने छात्रों को नियम और विनियम प्रदान करके संबोधित करना शुरू किया, जिस के बाद समय की सीमा भी शामिल थी। छात्र समन्वयक ने छात्रों को संबोधित किया और उनका स्वागत किया।

वाद-विवाद और कविता के लिए उपलब्ध कराए गए विषय इस प्रकार हैं

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विषय हैं- 1. शिक्षा पर कोविड का प्रभाव

2. महिला सशक्तिकरण

3. बहुराष्ट्रीय कंपनियों और शिक्षण क्षेत्र में कामकाजी माहौल में बदलाव

काव्य प्रतियोगिता

विषय हैं-

1. माँ

2. मित्रता

3. चाय

4. अपनी पसंद

सभी 30 से अधिक छात्रों ने आयोजनों में भाग लिया और उनमें से कुछ को अंतिम राउंड के लिए चुना गया और अंतिम राउंड में हमें विजेता मिले

निबंध लेखन

हिंदी विभाग प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के हिंदी छात्रों के लिए 10/11/2022 को "रचनात्मक लेखन" आयोजित कर रहा है।

हिंदी परिषद-वेदांत द्वारा आयोजित दूसरा कार्यक्रम, जिसमें प्रथम और द्वितीय वर्ष दोनों एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, 'निबंध लेखन' 10 नवंबर 2022 को हुआ, जहां हमारे पास दो से अधिक कमरे छात्रों से भरे हुए थे जो अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार थे। . यह कार्यक्रम एक घंटे से अधिक लंबा था और दोपहर 2.00 बजे शुरू हुआ

भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने के लिए आसान लेखन प्रतियोगिता "आजादी का अमृत महोत्सव"। ईज़ी लेखन प्रतियोगिता का विषय था - मेरी शारीरिक फिटनेस मेरी संपत्ति है जो आत्मनिर्भर भारत के लिए मानव पूंजी का निर्माण करेगी। (शब्द सीमा 700-1000 शब्द थी)। सभी स्वयंसेवकों को सर्वश्रेष्ठ तीन प्रविष्टियों के लिए भागीदारी प्रमाण पत्र और योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। बीबीए और बी.कॉम के विभिन्न वर्गों के स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और इसे एक बड़ी सफलता बनाने में मदद की। कुल 130 प्रविष्टियाँ थीं और प्रत्येक निबंध बहुत विचारपूर्ण और जानकारीपूर्ण था।

चुनें और बोलें

मेहंदी प्रतियोगिता

हिंदी विभाग ने 08/07/2022 को लड़कियों के लिए "मेहंदी प्रतियोगिता" में रचनात्मकता की एक सुंदर कला के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की, लड़कियों ने इस कार्यक्रम का आनंद लिया, जहां उन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम कमरा नंबर 212 में आयोजित किया गया था, कार्यक्रम की शुरुआत भक्ति गीत के साथ दोपहर 12:30 बजे हुई, उसके बाद डॉ. चिलुका पुष्पलता ने छात्रों को नियम और विनियम प्रदान करके संबोधित करना शुरू किया, जिस के बाद में समय सीमा भी शामिल थी। छात्र समन्वयक ने छात्रों को संबोधित किया और उनका स्वागत किया।

लड़कियों के लिए मेहंदी प्रतियोगिता में बी.बी.ए और बी.कॉम प्रथम और द्वितीय वर्ष की लगभग 15 से 20 छात्राओं ने भाग लिया था।

संगीत कार्यशाला

बीबीए/बी.कॉम सांस्कृतिक सेल विभाग ने 13 दिसंबर 2022 के दौरान डीएससीएएससी में एक संगीत कार्यशाला: 'द साउंड ऑफ द म्यूजिक' का आयोजन किया है। कार्यशाला का उद्देश्य संगीत से प्यार करने वाले छात्रों को एक आम मंच पर लाना और बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना था। गायन और वाद्ययंत्र बजाने का पाठ। कार्यशाला का आधिकारिक उद्घाटन हाउस ऑफ ईडीएम के संस्थापक, संगीत उत्पादन और डीजेइंग संकाय के माननीय अजय जेड ने किया। जिन्होंने शिविर में भाग लेकर प्रथम सत्र का संचालन किया। उन्होंने गायन की विभिन्न तकनीकों और संगीत रचना के बारे में बात की। उन्होंने एक गायक के रूप में दैनिक जीवन में अपनाये जाने वाले आवश्यक गुणों के बारे में भी बताया।

सांस्कृतिक प्रकोष्ठ समन्वयक डॉ. डॉ चुलिका पुष्पलत्ता ने बी.कॉम द्वितीय वर्ष के छात्र विष्णु के समन्वय से इस कार्यक्रम का आयोजन किया और इसकी देखभाल पूरी टीम ने की।

हिन्दी का विकास

अमन कुमार सिंह

1st एयर 2nd सिमेस्टर ब.कॉम "D"

हिन्दी भाषा की उत्पत्ति और विकास

हिंदी भाषा की उत्पत्ति मूल रूप से शौरसेनी अपभ्रंश से हुई है ।वैसे तो हिंदी भाषा की आदी जननी संस्कृत मानी जाती है। हिंदी संस्कृत, पाली, प्राकृत भाषा से होती हुई अपभ्रंश / अवहट्ट से गुजरती हुई हिंदी का रूप ले लेती है।

हिंदी शब्द की उत्पत्ति

वेदान्ता

हिंदी शब्द की उत्पत्ति सिंधु शब्द से हुई है सिंधु का तात्पर्य सिंधु नदी से है ।जब ईरानी उत्तर पश्चिम से होते हुए भारत आए तब उन्होंने सिंधु नदी के आसपास रहने वाले लोगों को हिंदू कहा। ईरानी भाषा में 'स' को 'ह' तथा 'ध' को 'द' उच्चारित किया जाता था।

इस प्रकार यह सिंधु से हिंदू बना तथा हिन्दू से हिन्द बना फिर कालांतर में हिन्द से हिंदी बना जिसका अर्थ होता है "हिंद का" – हिन्द देश के निवासी । बाद में यह शब्द 'हिंदी की भाषा' के अर्थ में उपयोग होने लगा ।

कई लोगों का यह सवाल होता है कि हिंदी शब्द किस भाषा का है। आपको बता दें कि हिंदी शब्द वास्तव में फारसी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है हिंद देश के निवासी |

वेदान्ता

प्राचीन या पुरानी हिन्दी / आदिकालीन हिन्दी

- प्राचीन हिन्दी से अभिप्राय, अपभ्रंश – अवहट्ट के बाद की भाषा से है।
- यह काल हिन्दी भाषा का शिशु काल था । यह वह काल था जब अपभ्रंश-अवहट्ट का प्रभाव हिन्दी भाषा पर बचा हुआ था और हिन्दी की बोलियों के निश्चित और स्पष्ट रूप विकसित नहीं हो पाए थे।

मध्यकालीन हिंदी

- मध्यकाल में हिन्दी का स्वरूप स्पष्ट हो गया और उसकी प्रमुख बोलियों का विकास होने लगा था ।
- इस अवधि के दौरान, भाषा के तीन रूप उभरे – ब्रजभाषा, अवधी और खड़ी बोली।
- ब्रजभाषा और अवधी का अत्यधिक साहित्यिक विकास हुआ ।
- सूरदास नंददास रसखान मीराबाई आदि लोगों ने ब्रजभाषा को साहित्य विकास में अमूल्य योगदान दिया।
- इनके अलावा कबीर नानक दादू साहिब आदि लोगों ने खड़ी बोली के मिश्रित रूप का प्रयोग साहित्य में करते रहे।
- 18वीं शताब्दी में खड़ी बोली को मुस्लिम शासकों का संरक्षण प्राप्त हुआ और इसके विकास को एक नई दिशा मिली।

वेदान्ता

आधुनिककालीन हिन्दी

- हिन्दी के आधुनिक काल तक ब्रजभाषा और अवधी हम बोल-चाल तथा साहित्यिक क्षेत्र से दूर हो गई थी।
- 19वीं सदी के मध्य तक भारत में ब्रिटिश सत्ता का सबसे बड़ा विस्तार हो चुका था। जब ब्रजभाषा और अवधी का साहित्यिक रूप आम भाषा से दूर हो गया, तो उनके बदले धीरे-धीरे खारी बोली का प्रयोग शुरू हो गया। ब्रिटिश सरकार ने भी इसका इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था।
- हिन्दी के आधुनिक काल में एक ओर उर्दू और दूसरी ओर ब्रजभाषा के प्रचार के कारण खड़ी बोली को अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ा। 19वीं शताब्दी तक कविता की भाषा ब्रजभाषा थी और गद्य की भाषा खड़ीखारी बोली थी। 20वीं शताब्दी के अंत तक, खड़ी बोली गद्य और कविता दोनों की साहित्यिक भाषा बन गई थी।
- विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों ने इस युग में खड़ी बोली की स्थापना में बहुत मदद की। परिणामस्वरूप, खड़ी बोली साहित्य की प्रमुख भाषा बन गई।

वेदान्ता

विश्व हिंदी दिवस

हर साल 10 जनवरी को दुनियाभर में विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। पहली बार नागपुर में 10 जनवरी 1975 को विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि। शामिल हुए थे। उसके बाद भारत के बाहर मॉरिशस, यूनाइटेड किंगडम, त्रिनिदाद, अमेरिका आदि देशों में भी विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया।

विश्व हिंदी दिवस 2023 का थीम

हर साल 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस एक थीम के साथ मनाया जाता है. इस साल 2023 में विश्व हिंदी दिवस की थीम है- 'हिंदी को जनमत की भाषा बनाना, बगैर उनकी मातृमाभा की महत्व को भूले.

विश्व हिंदी दिवस पर भाषण

1. हिंदी एक ऐसी भाषा है, जिसके द्वारा आप अपनी बात को बड़ी ही आसानी से किसी को समझा सकते हैं। भले ही कुछ लोग आज अंग्रेजी बोलने में अपनी आन, बान और शान समझते हों, लेकिन सच तो यही है कि हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी बेहद खूबसूरत है, जो हर एक भारतवासी को वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान दिलाती है।

वेदान्ता

हिंदी भाषा और हिंदी साहित्य को पूरे भारतवर्ष में फैलाने के उद्देश्य से हर साल हिंदी दिवस को एक त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर अलग-अलग जगहों पर तरह-तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसमें हिंदी साहित्य और हिंदी भाषा पर खुलकर बात की जाती है। केंद्र सरकार की तरफ से भी हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी साहित्य से जुड़े साहित्यकारों को विभिन्न प्रकार के पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

2. वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में पहले नंबर पर अंग्रेजी, दूसरे नंबर पर चीनी भाषा मंदारिन और तीसरे नंबर पर हिंदी है। दुनियाभर में हिंदी बोलने वाले लोगों की संख्या की बात की जाए, तो 80 करोड़ से भी ज्यादा लोग अब हिंदी बोलते हैं। इंटरनेट पर भी हिंदी का चलन दिनों-दिन तेजी से बढ़ रहा है और दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल द्वारा जहां कुछ साल पहले तक अंग्रेजी कंटेंट को ही महत्व दिया जाता था वहीं अब गूगल द्वारा भारत में हिंदी के साथ कुछ क्षेत्रीय भाषाओं को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। तकनीकी रूप से हिंदी को और ज्यादा उन्नत, समृद्ध और आसान बनाने के लिए अब कई सॉफ्टवेयर भी हिंदी के लिए बन रहे हैं। यह हमारी हिंदी की ताकत ही कही जाएगी कि इसके इतने ज्यादा उपयोगकर्ताओं के कारण ही अब भारत में बहुत सारी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हिंदी का भी इस्तेमाल करने लगी हैं। हिंदी इस समय देश की सबसे तेजी से बढ़ती भाषा है।

वेदान्ता

3. भारत लंबे समय तक अंग्रेजों का गुलाम रहा और उस दौरान हमारे यहां की भाषाओं पर भी अंग्रेजी दास्तां का बुरा प्रभाव पड़ा। इसी कारण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिंदी को जनमानस की भाषा बताते हुए साल। 1918 में आयोजित हिंदी साहित्य सम्मेलन में इसे भारत की राष्ट्रभाषा बनाने को कहा था। सही मायने में तभी से हिंदी को राष्ट्रभाषा दिलाने के प्रयास शुरू हो गए थे। और गर्व का विषय यह है कि अब सैकड़ों देशों में हिंदी का प्रयोग धीरे-धीरे बढ़ रहा है। यह दिन हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता फैलाने और हिंदी साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए महत्वपूर्ण है। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर लोगों को हिंदी भाषा के विकास, हिंदी के उपयोग के लाभ और उपयोग न करने पर हानि के बारे में समझाया जाना बेहद जरूरी है। लोगों को इस बात के लिए प्रेरित किए जाने की आवश्यकता है कि हिंदी उनकी राजभाषा है, जिसका सम्मान और प्रचार-प्रसार करना उनका कर्तव्य है और जब तक सभी लोग इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे, इस भाषा का विकास नहीं होगा।

वेदान्ता

लोक नृत्य

हिंदी विभाग ने 13/12/2022 को "लाइव रिपोर्टिंग प्रतियोगिता" में कड़ी मेहनत के साथ लाइव रिपोर्टिंग प्रतियोगिता आयोजित की। प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के हिंदी छात्र।

कार्यक्रम ग्राउंड फ्लोर पर बुद्ध प्रतिमा के सामने आयोजित किया गया था, कार्यक्रम की शुरुआत बी.कॉम द्वितीय वर्ष के छात्र अंगाली ने दोपहर 2:00 बजे की, डॉ. चिलुका पुष्पहाता ने छात्रों को नियम और विनियम प्रदान करके संबोधित किया जिसमें यहां तक कि शामिल हैं समय सीमा समाप्त होने के बाद, छात्र अपने साक्षात्कार के समय की जानकारी मिलने के बाद अपनी साक्षात्कार नियुक्तियों की ओर दौड़ पड़े, उन्होंने साक्षात्कार दिया और सॉफ्ट कॉपी विभाग को जमा कर दी।

कार्यक्रम के निर्णायक डॉ. चिलुका पुस्फालाटा थे

निर्णय मानदंड: प्रदर्शन, पोशाक और समय।

बी.बी.ए और बी.कॉम प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों ने कुल 20 टीमों ने भाग लिया था और प्रत्येक टीम में 2 सदस्य शामिल थे। टीम को अपना साक्षात्कार पूरा करने के लिए 15-20 मिनट की समय सीमा प्रदान की गई थी।

वेदान्ता

अतिथि शिक्षक

हिंदी परिषद - वेदांत द्वारा इस शैक्षणिक वर्ष 2023 के लिए प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ 10 जुलाई 2023 को आयोजित कार्यक्रम, जहां हमारे पास लगभग 76 छात्र थे जो मीडिया जगत में हिंदी भाषा के महत्व को सीखने और समझने के लिए तैयार थे। यह कार्यक्रम एक घंटे से अधिक लंबा था और सुबह 11.00 बजे शुरू हुआ।

डॉ चिलुका पूष्पलत्ता ने अतिथि वक्ता को संबोधित किया और हमारे प्राचार्य डॉ. नागराज शेनॉय ने अतिथि वक्ता डॉ. किरण श्रीवास्तव का अभिनंदन किया, यहां तक कि हमारे बी.कॉम विभाग के एचओडी ने भी आभार व्यक्त करते हुए अतिथि का स्वागत किया।

मीडिया पर बातचीत प्रथम वर्ष के सभी छात्रों के लिए मुख्य आकर्षण है। मंच तैयार हो चुका था और वक्ता डॉ. किरण श्रीवास्तव के लिए मीडिया पर अपने दृष्टिकोण को उजागर करने और दर्शकों को प्रभावित करने का समय था। एक-एक करके, प्रत्येक छात्र ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हुए अपने अंक निर्धारित किए और वास्तव में कुछ ने दर्शकों का दिल चुरा लिया और उन्हें तालियों की गड़गड़ाहट से पुरस्कृत किया गया। दिन की शुरुआत से लेकर अंत तक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये और विद्यार्थियों के समक्ष रखे। इस कार्यक्रम ने छात्रों को मीडिया में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न सॉफ्टवेयरों के बारे में खुलने और ज्ञान अर्जित करने की अनुमति दी। इससे उन्हें अपने दृष्टिकोण को व्यापक दायरे में विस्तारित करने और अपने छिपे हुए आत्म की खोज करने और अज्ञात तथ्यों को उजागर करने में भी मदद मिली।

बी.कॉम द्वितीय वर्ष और प्रथम वर्ष के स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और इसे एक बड़ी सफलता बनाने में मदद की। कुल 76 विद्यार्थी थे।

वेदान्ता

राज्य स्तरीय संगोष्ठी

मुख्या अतिथि व्याख्यान हिंदी परिषद- वेदांत, विभाग बीबीए/बी.कॉम द्वारा 27/12/2022 को दोपहर 12.00 बजे से 1.30 बजे तक आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि प्रोफेसर शांति कोकिला, हिंदी विभाग, अब्बास खान कॉलेज फॉर वुमेन, बेंगलुरु ने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए "भाषा का महत्व और विभिन्न क्षेत्रों में उनके मूल्य" विषय पर ब्लूक नंबर 13, दूसरी मंजिल, कमरा नंबर 212 में व्याख्यान दिया। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कई पत्र प्रकाशित किए हैं। उन्होंने विभिन्न संगठनों और विश्वविद्यालयों में व्याख्यान दिये हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाषा सत्र की अध्यक्षता भी की। इस कार्यक्रम में कुल लगभग 120 छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया।वक्ता ने भाषा के मूल उपयोग, आवश्यकताएँ, भाषा तरंग का उत्पादन और विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की प्रगति के बारे में बताया और विस्तार से चर्चा की। उनके व्याख्यान के बाद छात्रों को उनके साथ बातचीत करने का समय दिया गया। छात्रों ने महसूस किया कि सत्र अधिक जानकारी पूर्ण और इंटरैक्टिव था। अतिथि व्याख्यान के अंत में, दो छात्रों ने अपनी प्रतिक्रिया दी, और बताया कि उन्हें कैसे लाभ हुआ।सेमिनार के अंत में हमारे कॉलेज के प्राचार्य ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह और शॉल प्रदान कर सम्मानित किया।सेमिनार आयोजित करने का मौका देने के लिए हम अपने प्रिंसिपल को धन्यवाद देते हैं।

वेदान्ता

नींबू और चम्मच का खेल

हमारी हिंदी परिषद छात्र समिति के सदस्यों ने 22/07/2022 को स्टाफ सदस्यों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया था। यह कार्यक्रम मुख्य कार्यालय के पास बुद्ध प्रतिमा के पास ग्राउंड फ्लोर पर आयोजित किया गया था, कार्यक्रम की शुरुआत उद्घाटन गीत और 1 बजे दीप प्रज्वलित करके की गई थी: 15 बजे, उसके बाद हमारी समिति के अध्यक्ष धीरज और मंच समिति के सदस्य हर्ष और टीम ने कार्यक्रम को संभाला और नींबू और चम्मच दौड़ प्रतियोगिता के लिए संकाय को संबोधित करना शुरू किया, हमारे पास संकाय के लिए लगभग तीन राउंड थे, जिसमें अंतिम विजेता बाद में आयोजक डॉ. थे। चिलुका पुष्पलता मैडम ने विजेता संकायों के लिए पुरस्कार वितरित किए हैं। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों ने नींबू और चम्मच दौड़ में सक्रिय रूप से भाग लेकर आनंद लिया, जिससे कर्मचारियों को अपने दिमाग को तरोताजा करने के लिए अपने व्यस्त कार्यक्रम के साथ कुछ मनोरंजन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

किसने कहा ?

तमन्ना देवांगन
1st एयर 2nd सिमेस्टर ब.कॉम सेक्शन "D"

ज़िंदगी आसान होती है,
किसने कहा ?

खुशिया हजार होती है,
किसने कहा ?

हम तो आज भी कल मे खोए हुए है,
आब आने वाला कल केसा हों, किसे पता।

पर आशाए, उम्मीदए कम हों जाएगी,
किसने कहा ?

रास्ते साफ – साफ दिखाई देंगे,
किसने कहा ?

हम तो आज भी उतनी ही कोशिश करेंगे,
जितनी की थी कल,

क्या पता आगे मिल जाए,
इस मेहनत का फल।

स्कूल

टूशहर हरीश
1st एयर 2ndसेमेस्टरे ब.कॉम सेक्शन “D”

घंटी बजती है,
बच्चे आते है,
नींद मे बारे बारे,
किताबों से लदे – लदे।

घंटी बजती है,
बच्चे जाते है,
सहमे – सहमे, डरे – डरे,
थके – थके और मरे – मरे।

स्कूल मे तितली नहीं दिकती,
चिड़िया नहीं गाती,
पानी कल – कल नहीं करता,
पेड़ों की छाव रुप जाती है,
बच्चो की दुनिया टुट जाती है।

वीरों की दास्तान

सिद्धार्थ जैन

1st year 2nd सिमेस्टर ब.कॉम सेक्शन "D"

दुनिया मे मिल जाएगे
आशिक कई मगर,
वतन से खूबसुरत,
सनम नहीं होते,
नाटो मे सिमट कर, सोने मे लिपट कर मरे है कई,
मगर देश से खूबसुरत कफन नहीं..
मगर देश से खूबसुरत कफन नहीं..

ज़िंदगी का सफर

प्रीति. एस

1st year 2nd सिमेस्टर ब.कॉम सेक्शन "D"

पूछा जो मैने एक दिन खुदा से,
अंदर मेरे थे कैसा शोर है,
हंसा मुझ पर फिर बोला,
चाहते तेरी कुछ और थी,
पर तेरा रास्ता कुछ और है,
रूह को संभालना था तुझे,
पर सूरत सवारने पर तेरा जोर है,
खुला आसमान, चांद, तारे चाहत है तेरी
पर बंद देवारों को सजाने पर तेरा जोर है,
सपने देखता है, खुली फिज़ाओ के,
पर बड़े शहरों मे बसने की कोशिस पुरजोर है।

बेटियाँ

<u>शीबा आफ़रीन</u>
1stएयर 2ndसिमेस्टर ब.कॉम सेक्शन “D”

बेटियाँ जखम सेह नहीं पाती।
बेटियाँ दर्द केह नहीं पाती।
बेटियाँ आँख का सितारा है।
बेटियाँ दर्द मे सहारा है।
बेटियाँ को सजाएं मत देना।
ईन को गम की कमाई मत देना,
बेटियाँ चाहतों कि प्यासी है।
ये पराएं चमन की वासी है।
बेटियाँ बेवफा नहीं होती।
ये कभी भी खफा नहीं होती|

वेदान्ता

वक्त नहीं !!

भूमिका भोतरा

2nd एयर *4th* सिमेस्टर बबए सेक्शन *“B”*

ज़िंदगी कितनी व्यस्त हों गई है,
कि आपने – आप के लिए वक्त नहीं,

हर खुशी है लोगों के दामन मे,
पर एक हंसी के लिए वक्त नहीं,

दिन रात दोदती दुनिया मे,
ज़िंदगी के लिए वक्त नहीं,

माँ की लोरी का एहसास तो है,
पर माँ को माँ कहने का वक्त नहीं।

सारे रिश्ते को मार चुके,
अब उन्हे दफनाने का वक्त नहीं।

सारे नंबर मोबाईल मे है,
पर उन्हे मिलाने का वक्त नहीं।

गेरों की क्या बात करे ?
जब अपनों के लिए वक्त नहीं।

आखों मे है नींद बरी,
पर सोने का वक्त नहीं।

दिल है गमों से बरा पड़ा,
पर रोने का वक्त नहीं।

पैसे की दोड़ मे ऐसा दोडे,
कि थकने का वक्त नहीं।

दिल मे बहुत बाते है बताने की लिए,
लेकिन बताने के लिए वक्त नहीं।

वेदान्ता

पिताजी !!!

सय्यद उस्मान

1st एयर 2nd सिमेस्टर ब.कॉम सेक्शन "D"

पापा हर फराज़ निबते है,
जीवन भर कर्ज चूकाते है।
बच्चे की एक खुशी के लिए,
अपने सुख भूल जाते है।
फिर क्यो ऐसे पापा के लिए,
बच्चे कुछ कर ही नहीं पाते।
ऐसे सच्चे पापा को क्यो,
पापा कहने मे भी संकोच करते है?
पापा का आशीष बनाता है,
बच्चे का जीवन सुखदाई ।
पर बच्चे भूल ही जाते है,
कोटी नमन ऐसे पापा को,
जो हर पल साथ निभाते है।
प्यारे पापा के प्यार भरे,
सीने से जो लग जाता है।
सच्च कहता हूँ विश्वास करो,
जीवन मे सदा सुख पाते है।

वेदान्ता

मूवी कंतारा

हिंदी परिषद वेदांत द्वारा इस शैक्षणिक वर्ष -2023 के लिए प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ 16 मई 2023 को आयोजित एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जहां हमारे पास उत्तरी कर्नाटक की संस्कृति और सभ्यता को समझने के लिए पूरे कमरे तैयार थे। यह कार्यक्रम एक घंटे से अधिक लंबा था और सुबह 11.00 बजे शुरू हुआ। मूवी कंतारा सभी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए स्पॉटलाइट है। मंच तैयार किया गया था और यह वक्ताओं के लिए संस्कृति पर अपने दृष्टिकोण को उजागर करने और दर्शकों को प्रभावित करने का समय था। एकएक करके इस आयोजन ने छात्रों को विभिन्न अनुष्ठानों पर - ज्ञान अर्जित करने और खोलने की अनुमति दी। इसने उन्हें एक विस्तृत श्रृंखला में अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और अपने छिपे हुए आत्म की खोज करने और अज्ञात तथ्यों को प्रकट करने में भी मदद की।

बी.बी.ए और बी.कॉम के विभिन्न वर्गों के स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था और इसे एक बड़ी सफलता बनाने में मदद की थी। इसमें कुल 95 विद्यार्थी थे।

गांधी जी के स्वतंत्रता संग्राम पर फिल्म

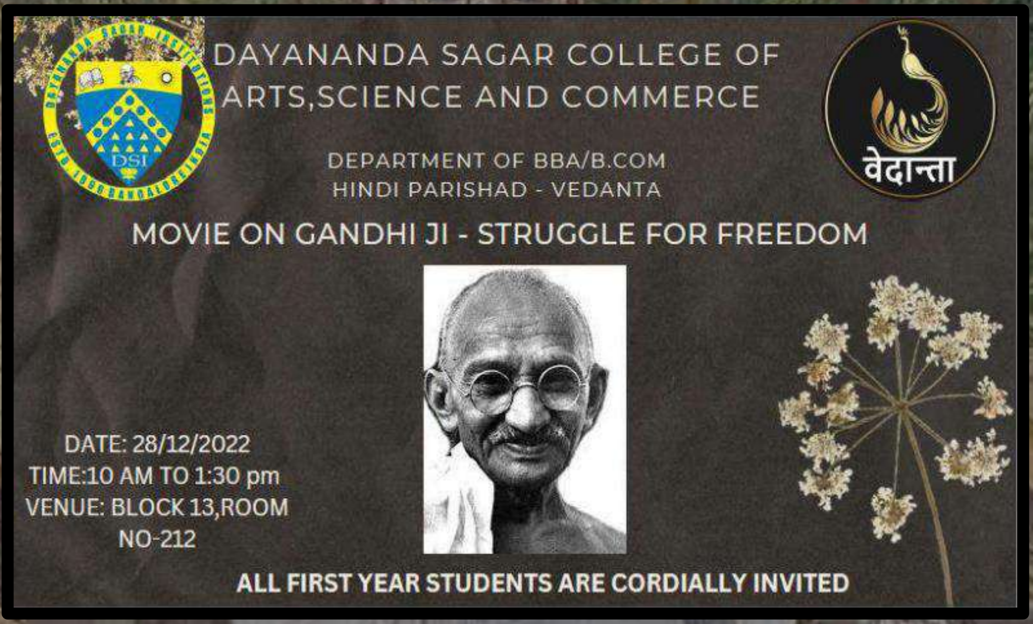

बीबीए/बी.कॉम हिंदी परिषद विभाग - वेदांत ने एक फिल्म शो 'गांधी जी' का आयोजन किया है|

28 दिसंबर 2022 के दौरान डी एस सीए एस सी में 'स्वतंत्रता के लिए फिल्म का उद्देश्य इसका उद्देश्य छात्रों को एक इंसान के मूल्य को समझना और उससे जुड़े सबक सिखाना थामा नवता के साथ-साथ राष्ट्र के महत्व को | फिल्म आधिकारिक तौर पर दिखाई गई प्रत्येक छात्र को राष्ट्र और अपने आस-पास के लोगों का सम्मान करने के लिए प्रेरित करना।

“यह जीवनी नाटक प्रिय भारतीय नेता गांधी के जीवन की प्रमुख घटनाओं को प्रस्तुत करता है, जो अपने देश पर ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़े समर्पित|

प्रतिरोध की के लिए, गांधी को शुरू में अंग्रेजी अधिकारियों ने खारिज कर दिया था प्रभावशाली लॉर्ड इरविन सहित, लेकिन अंततः वह और उसका कारण बन गए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध, और निष्क्रिय विरोध की उनकी सभाएं भारत को आगे बढ़ाती हैं "

वेदान्ता

Dayanand Sagar College of Arts, Science and Commerce
Literary club
HINDI PARISHAD VEDANT
REASEARCH WORK ON MOVIE KANTARA
OUR GUEST SPEAKERS ARE
कांतारा
16TH MAY 2023 TIME: 11AM
VENUE: ROOM NUMBER 212
ALL ARE INVITED

Kantara (Hindi)
GPS Map Camera
Bengaluru, Karnataka, India
WH48+RF6, 1st Stage, Kumaraswamy Layout, Bengaluru, Karnataka 560078, India
Lat 12.907044°
Long 77.566093°
16/05/23 02:57 PM GMT +05:30
Google

वेदान्ता

नाटक प्रतियोगिता

बी.कॉम हिंदी परिषद वेदांत विभाग ने 09-14/12/2022 को नाटक प्रतियोगिता आयोजित की। कार्यक्रम ब्लॉक -13, कमरा नंबर 410 में आयोजित किया गया था, कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 2:00 बजे B.com द्वितीय वर्ष के छात्र मकरंद वामन पाटिल ने की, उसके बाद डॉ चिलुका पुष्पलता ने छात्रों को नियम और विनियम प्रदान करते हुए संबोधित किया जिसमें समय सीमा भी शामिल है, बाद में छात्र समन्वयक ने छात्रों को संबोधित किया।

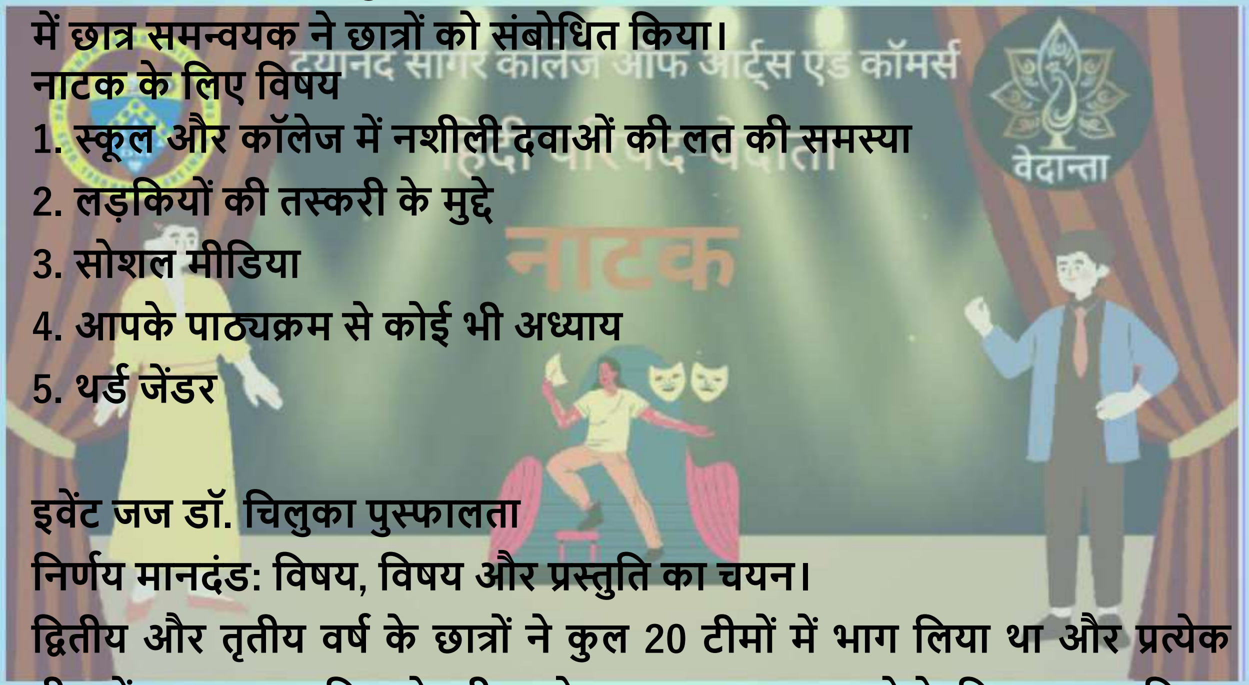

नाटक के लिए विषय

1. स्कूल और कॉलेज में नशीली दवाओं की लत की समस्या
2. लड़कियों की तस्करी के मुद्दे
3. सोशल मीडिया
4. आपके पाठ्यक्रम से कोई भी अध्याय
5. थर्ड जेंडर

इवेंट जज डॉ. चिलुका पुस्फालता

निर्णय मानदंड: विषय, विषय और प्रस्तुति का चयन।

द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों ने कुल 20 टीमों में भाग लिया था और प्रत्येक टीम में 2 सदस्य शामिल थे। टीम को साक्षात्कार पूरा करने के लिए 15-20 मिनट की समय सीमा प्रदान की गई थी।

कार्यक्रम छात्र समन्वयकों द्वारा समन्वित किया गया था:

अध्यक्ष- मकरंद वामन पाटिल

उपाध्यक्ष - पुष्पा शर्मा

सचिव- बूमिका

स्टेज कमेटी के प्रमुख- हर्ष

मीडिया-सिद्धार्थ

वेदान्ता

रचनात्मक क्षेत्र

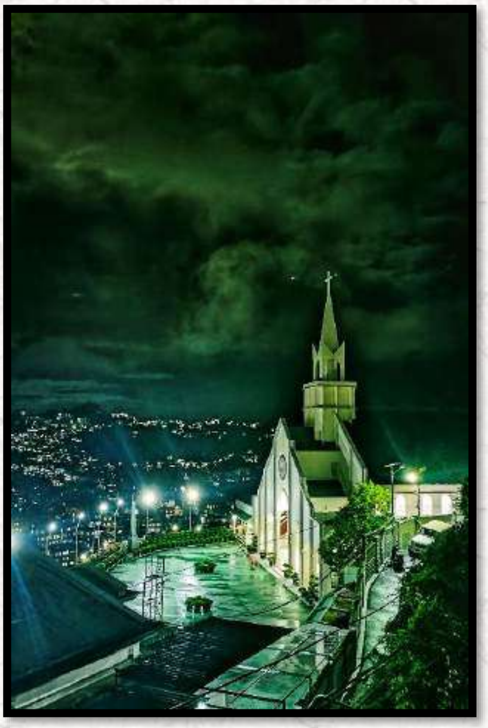

गुलशन कुमार

1st year 2nd Semester B.Com Section "D"

शमॉइएल.जे.एन

1st year 2nd Semester B.Com Section "D"

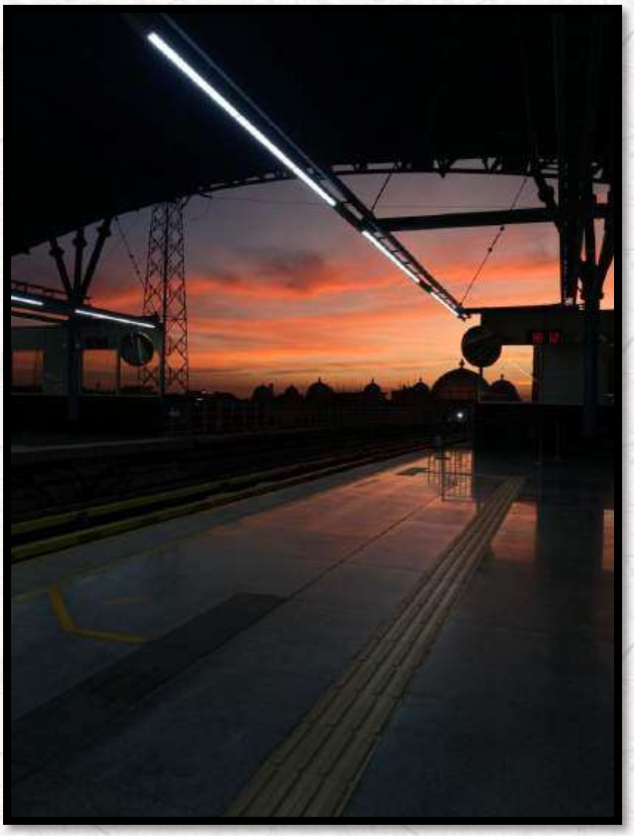

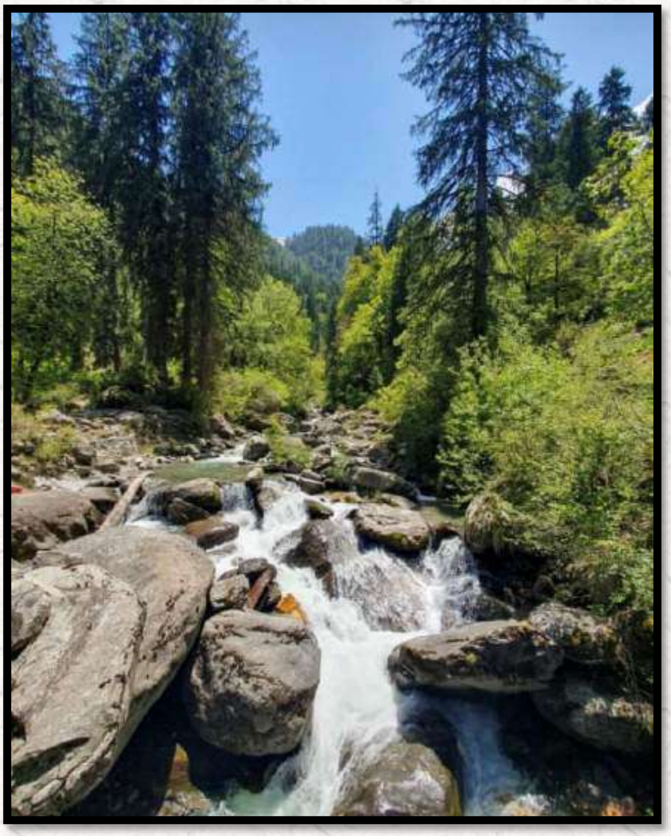

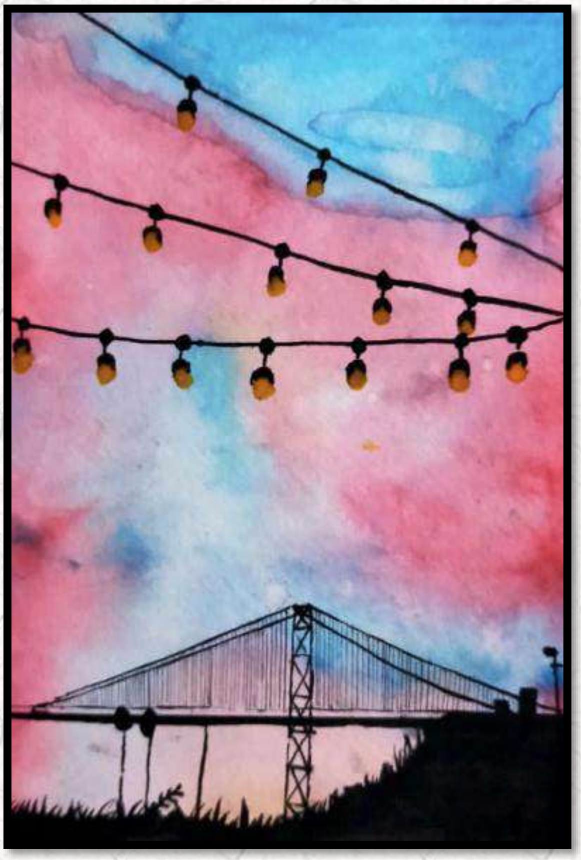

<u>सिद्दरथ जैन</u>

2nd year 3rd semester B.com section "D"

श्रेया कनापारतीय

2nd year 3rd Semester B.Com Section "D"

भूमिका बोहटर

3rd year 5th semester BBA section "B"

ताज सुल्तान

2nd year 3rd semester BBA section "A"

रिकी यादव

1st year 2nd Semester B.Com Section "D"

वेदान्ता

खेल और मस्ती

सुडोकू

	3	4			6		8	
5	2	7		1	8	6		3
	6				9	4		2
		5		4				
3	9		8			5		
	4				2	9	3	6
1			6	8	4		2	
2						8	1	
			2	7	1	3		

9	3	4	5	2	6	1	8	7
5	2	7	4	1	8	6	9	3
8	6	1	7	3	9	4	5	2
6	1	5	9	4	3	2	7	8
3	9	2	8	6	7	5	4	1
7	4	8	1	5	2	9	3	6
1	5	3	6	8	4	7	2	9
2	7	6	3	9	5	8	1	4
4	8	9	2	7	1	3	6	5

टिक-टैक-टो

धन्यवाद

vedanta_dsi

hindiparisad@gmail.com